THE STANFORD JOURNAL
AN INTERNATIONAL JOURNAL
THE STANFORD JOURNAL ISSN: 3048-8923
(AN INTERNATIONAL JOURNAL OF MULTIDISCIPLINARY RESEARCH) IJIN VALUE/
IMPACT FACTOR : 8.3
Volume–3, Issues– 1 January- March: 2026

माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थिओं के आत्मविश्वास के सन्दर्भ में उनकी शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन

डॉ. पूनम शर्मा
प्रोफेसरएवंविभागाध्यक्षा,
अध्यापक शिक्षा विभाग,
जे.वी.जैन कॉलेज सहारनपुर

काजल कोहली गुंधियान
एम. एड. छात्रा (2024-26),
अध्यापकशिक्षाविभाग,
जे.वी. जैन कॉलेज सहारनपुर

सार

इस अध्ययन का उद्देश्य माध्यमिक शिक्षा के छात्रों केआत्मविश्वास और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच संबंध का विश्लेषण करना है।आज के प्रतिस्पर्धा में ।शैक्षिक वातावरण में आत्मविश्वास किस प्रकार शैक्षणिक सफलता को प्रभावित करताहै।यहसमझना प्रभावी शिक्षण और परामर्श के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है पूर्व के शोधकर्ताओं ने आत्मविश्वास के के विभिन्न आयामों का अध्ययन किया और छात्र प्रदर्शन के साथ सकरात्मक और नकारात्मक दोनों प्रकार के सहसंबंध पाए है। इस शोध में माध्यमिक स्तर के 100 छात्र छात्राओं को न्यायदर्श के रूप में लिया गया है। आंकडो केविश्लेषण के लिएपीयर्सन सहसंबंध गुणांक का प्रयोग किया गया है।

मुख्य शब्द:-*माध्यमिक शिक्षा, आत्मविश्वास, शैक्षिक उपलब्धि*

परिचय

माध्यमिकशिक्षा में शैक्षणिक उपलब्धि कई कारकों पर निर्भर करती है, लेकिन आत्मविश्वासके लक्षण छात्रों के सीखने के परिणामों, प्रेरणा और सफलता को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह विश्लेषणात्मक अध्ययनमाध्यमिक शिक्षा के छात्रों के विशिष्ट गुणों और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच संबंधों की जांच करता है। एक सहसंबंधी शोध डिज़ाइन का उपयोग करते हुए, हम यह पता लगाते हैं कि शैक्षणिक प्रदर्शन को कैसे प्रभावित करते हैं।

जांच के तहतआत्मविश्वास, स्वतंत्रता-निर्भरता, स्वभाव, समायोजन और चिंता शामिल हैं। कि क्या कोई छात्र सामाजिक समूहों या शांत समय को पसंद करता है। आत्म-अवधारणा

THE STANFORD JOURNAL
AN INTERNATIONAL JOURNAL
THE STANFORD JOURNAL ISSN: 3048-8923
(AN INTERNATIONAL JOURNAL OF MULTIDISCIPLINARY RESEARCH) IJIN VALUE/
IMPACT FACTOR : 8.3
Volume–3, Issues– 1 January- March: 2026

यह है कि छात्र स्वयं को अपने आत्मविश्वास और स्वयं की छवि के रूप में कैसे देखते हैं।शैक्षिक विमा बताती है कि क्या वे अकेले निर्णय लेते हैं या उन्हें दूसरों की आवश्यकता है! मदद करना। स्वभाव उनकी मनोदशा और ऊर्जा को, अस्तित्व की तरह, ढक लेता है

शांत या तुरंत प्रतिक्रिया करने वाला। समायोजन का अर्थ है कि वे कॉलेज जीवन में कितनी अच्छी तरह फिट बैठते हैं और परिवर्तनों को संभालते हैं। चिंता उनकी चिंता के स्तर को देखती है, जो फोकस और परीक्षा को प्रभावित कर सकती है। ये लक्षण आत्मविश्वास के महत्वपूर्ण आयामोंका प्रतिनिधित्व करते हैं जो शैक्षिक सफलता के लिएसामाजिक,भावनात्मक ,भौतिक ,मानसिक ,शैक्षिक तत्वों को प्रभावित करते हैं। उदाहरण के लिए, एक मजबूत आत्म-अवधारणा सीखने में आत्मविश्वास को बढ़ावा देती है, जबकि खराब समायोजन से तनाव और निचले ग्रेड हो सकते हैं।माध्यमिक शिक्षा स्वतंत्र शिक्षा, प्रतिस्पर्धी माहौल और करियर की तैयारी जैसी अनूठी चुनौतियाँ प्रस्तुत करती है। यह समझना किआत्मविश्वास के लक्षण शैक्षणिक उपलब्धि से कैसे संबंधित हैं, शिक्षकों को लक्षित सहायता प्रदान करने में मार्गदर्शन कर सकते हैं।

कई अध्ययनों से पता चला है किआत्मविश्वास स्कूली छात्रों की शैक्षणिक सफलता को कैसे प्रभावित करता है, लेकिन माध्यमिक शिक्षा स्तर पर छात्रों पर कम शोध हुआ है। इस अध्ययन का उद्देश्य यह समझना है किआत्मविश्वासमाध्यमिक शिक्षा के छात्रों के बीच शैक्षणिक उपलब्धि को कैसे प्रभावित करता है और क्या कुछ लक्षण बेहतर प्रदर्शन में योगदान करते हैं। निष्कर्ष छात्रों, शिक्षकों की मदद कर सकते हैं। और संस्थान शैक्षणिक सफलता को अधिक प्रभावी ढंग से समर्थन देते हैं।

यहांवर्तमान अध्यन से संबंधित शोध पहले किये जा चुके है

सिंहऔर मेहता (2024) ने शैक्षणिक उपलब्धि में लिंग अंतर का विश्लेषण किया लेकिन विशेष रूप से यह अध्ययन नहीं किया किआत्मविश्वासलक्षण इन अंतरों में कैसे योगदान करते हैं।

रेड्डी एट अल. (2023)ने भावनात्मक बुद्धिमत्ता की जांच की लेकिन शैक्षणिक परिणामों पर इसके संयुक्त प्रभाव को देखने के लिए इसेआत्मविश्वासलक्षणों के साथ एकीकृत नहीं किया।

कुमारऔर वर्मा (2022)ने कर्तव्यनिष्ठा और शैक्षणिक प्रदर्शन का अध्ययन किया, लेकिन यह पता नहीं लगाया कि अनुभव के प्रति खुलापन और भावनात्मक स्थिरता जैसे लक्षण एक साथमाध्यमिक शिक्षा में शैक्षणिक सफलता को कैसे प्रभावित करते हैं।

शर्माऔरपटेल (2021)ने माध्यमिक शिक्षा मेंआत्मविश्वास लक्षणों की जांच की, लेकिन अपने निष्कर्षों को माध्यमिक शिक्षा के छात्रों तक नहीं बढ़ाया, जहां सीखने के माहौल और चुनौतियाँ काफी भिन्न होती हैं।

आत्मविश्वास **और शैक्षणिक उपलब्धि** पर अधिकांश अध्ययन स्कूली छात्रों पर केंद्रित हैं, लेकिन कॉलेज और विश्वविद्यालय के छात्रों पर शोध सीमित है। इसीलिए मैंने इस क्षेत्र में शोध करने के लिए इस विषय को चुना है।

उद्देश्य

1. माध्यमिक स्तर पर अध्यनरत विद्यार्थियों केआत्मविश्वास एवंशैक्षिक उपलब्धियों के मध्य संबंध का अध्ययन करना
2. मा-ध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों के आत्मविश्वास की भौतिक विमा एवं शैक्षिक उपलब्धियों के मध्य सम्बंध का अध्ययन करना।
3. माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों के आत्मविश्वास की सामाजिक विमा एवं शैक्षिक उपलब्धियों के मध्य सबंध काअध्ययन करना।
4. माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों के आत्मविश्वास की भावनात्मक विमा एवं शैक्षिक उपलब्धियों के मध्य सम्बंध का अध्ययन करना।
5. माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों के आत्मविश्वास कीमानसिक विमा एवं शैक्षिक उपलब्धियों के मध्य सम्बंध का अध्ययन करना।
6. माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों के आत्मविश्वास की शैक्षिक विमा एवं शैक्षिक उपलब्धियों के मध्य सम्बंध का अध्ययन करना।

THE STANFORD JOURNAL
AN INTERNATIONAL JOURNAL
THE STANFORD JOURNAL ISSN: 3048-8923
(AN INTERNATIONAL JOURNAL OF MULTIDISCIPLINARY RESEARCH) IJIN VALUE/
IMPACT FACTOR : 8.3
Volume–3, Issues– 1 January- March: 2026

परिकल्पना

1. माध्यमिक स्तर पर अध्यनरत विद्यार्थियों के आत्मविश्वास एवं शैक्षिक उपलब्धियों के मध्य कोई सार्थक सहसम्बन्ध नहीं है
2. माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों के आत्मविश्वास की भौतिक विमा एवं शैक्षिक उपलब्धियों के मध्य कोई सार्थक सहसम्बन्ध नहीं है
3. माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों के आत्मविश्वास की सामाजिक विमा एवं शैक्षिक उपलब्धियों के मध्य कोई सार्थक सहसम्बन्ध नहीं है
4. माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों के आत्मविश्वास कीभावनात्मक विमा एवं शैक्षिक उपलब्धियों के मध्य कोई सार्थक सहसम्बन्ध नहीं है
5. माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों के आत्मविश्वास की मानसिक विमा एवं शैक्षिक उपलब्धियों के मध्य कोई सार्थक सहसम्बन्ध नहीं है
6. माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों के आत्मविश्वास कीशैक्षिक विमा एवं शैक्षिक उपलब्धियों के मध्य कोई सार्थक सहसम्बन्ध नहीं है

अध्ययन की पद्धति

अनुसंधान विधि

प्रस्तुत अध्ययन में वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

अध्ययन की जनसंख्या

सहारनपुर जिले के सरकारीमाध्यमिक स्तर के छात्रों की जनसंख्या है

अध्ययन कान्यायदर्श

सहारनपुर जिले केगौरी शंकर इंटर कॉलेज में पढ़ रहे कुल 100छात्रों के अध्ययन कान्यायदर्श हैं

न्यायदर्श प्रविधि

इस वर्तमान अध्ययन में, सरल यादृच्छिक नमूनाकरण विधि का उपयोग किया जाता है। सबसे पहले, यादृच्छिकन्यायदर्श पद्धति का उपयोग करके स्कूल का

THE STANFORD JOURNAL
AN INTERNATIONAL JOURNAL
THE STANFORD JOURNAL ISSN: 3048-8923
(AN INTERNATIONAL JOURNAL OF MULTIDISCIPLINARY RESEARCH) IJIN VALUE/
IMPACT FACTOR : 8.3
Volume–3, Issues– 1 January- March: 2026

चयन किया जाता है। फिर, प्रत्येक चयनित स्कूल से, छात्रों की एक निश्चित संख्या को यादृच्छिक रूप से चुना जाता है।

चर

स्वतंत्र चर:वर्तमान अध्ययन में आत्मविश्वास स्वतंत्र चर है

आश्रित चर:वर्तमान अध्ययन में आश्रित चर शैक्षणिक उपलब्धि है।

स्वतंत्र चर	आश्रित चर
आत्मविश्वास	शैक्षणिक उपलब्धि

अनुसंधान उपकरण

वर्तमान अध्ययन में निम्नलिखित उपकरण का उपयोग किया गया है

आत्मविश्वास के लिए Adolescents' Self Confidence Scale By: GHAZALA ZIA

शैक्षणिक उपलब्धि के लिए - माध्यमिक पाठ्यक्रमों के दूसरे वर्ष में प्राप्त शैक्षणिक अंकों का प्रतिशत

सांख्यिकीय तकनीकें

पियर्सन सहसम्बन्ध गुणांक

विश्लेष्ण एवं अर्थापन

उद्देश्य-1

माध्यमिक स्तर पर अध्यनरत विद्यार्थियों के आत्मविश्वास के शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सम्बन्ध का अध्ययन करना

Ho1

माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों के आत्मविश्वास के शैक्षणिक उपलब्धि के मध्यकोई सार्थक सहसंबंध नहीं है

तालिका-1

आत्मविश्वास के शैक्षणिक उपलब्धि के मध्य कोई सार्थक सहसंबंध

चर	छात्रों की संख्या	सहसंबंध गुणांक	स्वतंत्रता की डिग्री	सार्थकता स्तर
आत्मविश्वास				

THE STANFORD JOURNAL
AN INTERNATIONAL JOURNAL
THE STANFORD JOURNAL ISSN: 3048-8923
(AN INTERNATIONAL JOURNAL OF MULTIDISCIPLINARY RESEARCH) IJIN VALUE/
IMPACT FACTOR : 8.3
Volume–3, Issues– 1 January- March: 2026

शैक्षिक उपलब्धि	100	+0.46	98	0.01 पर सार्थक

उपरोक्त तालिका -1 से स्पस्ट होता है कि माध्यमिक स्तर के छात्र छात्राओ के आत्मविशास व शैक्षिक उपलब्धि मे सहसम्बन्ध गुणांक +0.46 है जो सार्थकता स्तर .01 पर सार्थक है यह सहबंध गुणांक धनात्मक तथा मध्य स्तर का है अतः शून्य परिकल्पना को निरस्त करते हुए यह विवेचना की जा सकती है कि यदि माध्यमिक स्तर के छात्र छात्राओं का आत्मविश्वास बढ़ता है तो उनकी शैक्षिक उपलब्धि भी बढ़ती है तथा यदि उनका आत्मविश्वास घटता है तो उनकी शैक्षिक उपलब्धि भी कम होती है

उद्देश्य-2

माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों के आत्मविश्वास की भौतिक विमा एवं शैक्षिक उपलब्धियों के मध्य सम्बंध का अध्ययन करना।

Ho2

माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों के आत्मविश्वास की भौतिक एवं शैक्षिक उपलब्धियों के मध्य कोई सार्थक सहसम्बन्ध नहीं है

तालिका-2

आत्मविश्वास की भौतिक एवं शैक्षिक उपलब्धियों के मध्य कोई सार्थक सहसम्बन्ध

चर	छात्रों की संख्या	सहसंबंध गुणांक	स्वतंत्रता की डिग्री	सार्थकता स्तर
आत्मविश्वासकी भौतिक विमा शैक्षिक उपलब्धि	100	+0.42	98	0.01 पर सार्थक

उपरोक्त तालिका -2से ज्ञात होता है कि माध्यमिक स्तर के छात्र छात्राओ के आत्मविशास कीभौतिक विमाव शैक्षिक उपलब्धि मे सहसम्बन्ध गुणांक +0.42 है जो सार्थकता स्तर .01 पर सार्थक है यह सहबंध गुणांक धनात्मक तथा मध्य स्तर का है अतः शून्य परिकल्पना को निरस्त करते हुए यह विवेचना की जा सकती है कि यदि

THE STANFORD JOURNAL
AN INTERNATIONAL JOURNAL
THE STANFORD JOURNAL ISSN: 3048-8923
(AN INTERNATIONAL JOURNAL OF MULTIDISCIPLINARY RESEARCH) IJIN VALUE/
IMPACT FACTOR : 8.3
Volume–3, Issues– 1 January- March: 2026

माध्यमिक स्तर के छात्र छात्राओं का आत्मविश्वास भौतिक विमा परबढ़ता है तो उनकी शैक्षिक उपलब्धि भी बढ़ती है तथा यदि उनका आत्मविश्वास भौतिक विमापर घटता है तो उनकी शैक्षिकउपलब्धि भी कम होती है

उद्देश्य-3

माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों के आत्मविश्वास कीसामाजिक विमा एवं शैक्षिक उपलब्धियों के मध्य सबंध का अध्ययन करना।

Ho3

माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों केआत्मविश्वास की सामाजिक विमा एवं शैक्षिक उपलब्धियों के मध्य कोई सार्थक सहसम्बन्ध नहीं है

तालिका-3

आत्मविश्वास की सामाजिक विमा एवं शैक्षिक उपलब्धियों के मध्य कोई सार्थक सहसम्बन्ध

चर	छात्रों की संख्या	सहसंबंध गुणांक	स्वतंत्रता की डिग्री	सार्थकता स्तर
आत्मविश्वासकी सामाजिक विमा शैक्षिक उपलब्धि	100	+0.40	98	0.01 पर सार्थक

उपरोक्त तालिका -3से ज्ञात होता है कि माध्यमिक स्तर के छात्र छात्राओ के आत्मविशास कीसामाजिक विमा व शैक्षिक उपलब्धि मे सहसम्बन्ध गुणांक +0.40है जो सा र्थकता स्तर .01 पर सार्थक है यह सहबंध गुणांक धनात्मक तथा मध्य स्तर का है अतः शून्य परिकल्पना को निरस्त करते हुए यह विवेचना की जा सकती है कि यदि माध्यमिक स्तर के छात्र छात्राओं का आत्मविश्वास सामाजिक विमा पर बढ़ता है तो उनकी शैक्षिक उपलब्धि भी बढ़ती है तथा यदि उनकाआत्मविश्वाससामाजिक विमा पर घटता है तो उनकी शैक्षिक उपलब्धि भी कम होती है

THE STANFORD JOURNAL
AN INTERNATIONAL JOURNAL
THE STANFORD JOURNAL ISSN: 3048-8923
(AN INTERNATIONAL JOURNAL OF MULTIDISCIPLINARY RESEARCH) IJIN VALUE/
IMPACT FACTOR : 8.3
Volume–3, Issues– 1 January- March: 2026

उद्देश्य-4

माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों के आत्मविश्वास की भावनात्मक विमा एवं शैक्षिक उपलब्धियों के मध्य सम्बंध का अध्ययन करना।

Ho4

माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों के आत्मविश्वास की भावनात्मक विमाएवं शैक्षिक उपलब्धियों के मध्य कोई सार्थक सहसम्बन्ध नहीं है

तालिका-4

आत्मविश्वास की भावनात्मक विमा एवं शैक्षिक उपलब्धियों के मध्य कोई सार्थक सहसम्बन्ध

चर	छात्रों की संख्या	सहसंबंध गुणांक	स्वतंत्रता की डिग्री	सार्थकता स्तर
आत्मविश्वास की भावनात्मक विमा शैक्षिक उपलब्धि	100	+0.26	98	0.01 पर सार्थक

उपरोक्त तालिका -4के आधार पर यह कहा जा सकता है कि माध्यमिक स्तर के छात्र छात्राओ के आत्मविशास कीभावनात्मक विमा व शैक्षिक उपलब्धि मे सहसम्बन्ध गुणांक +0.26है जो सा र्थकता स्तर .01 पर सार्थक है यह सहबंध गुणांक धनात्मक तथा मध्य स्तर का है अतः शून्य परिकल्पना को निरस्त करते हुए यह विवेचना की जा सकती है कि यदि माध्यमिक स्तर के छात्र छात्राओं का आत्मविश्वास भावनात्मक विमा पर बढ़ता है तो उनकी शैक्षिक उपलब्धि भी बढ़ती है तथा यदि उनकाआत्मविश्वासभावनात्मक विमा परकम होता है तो उनकी शैक्षिक उपलब्धि भी कम होती है

THE STANFORD JOURNAL
AN INTERNATIONAL JOURNAL
THE STANFORD JOURNAL ISSN: 3048-8923
(AN INTERNATIONAL JOURNAL OF MULTIDISCIPLINARY RESEARCH) IJIN VALUE/
IMPACT FACTOR : 8.3
Volume–3, Issues– 1 January- March: 2026

उद्देश्य-5

माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों के आत्मविश्वास की मानसिक विमा एवं शैक्षिक उपलब्धियों के मध्य सम्बंध का अध्ययन करना।

Ho5

माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों के आत्मविश्वास की मानसिक विमा एवं शैक्षिक उपलब्धियों के मध्य कोई सार्थक सहसम्बन्ध नहीं है

तालिका-5

आत्मविश्वास की मानसिक विमा एवं शैक्षिक उपलब्धियों के मध्य कोई सार्थक सहसम्बन्ध

चर	छात्रों की संख्या	सहसंबंध गुणांक	स्वतंत्रता की डिग्री	सार्थकता स्तर
आत्मविश्वास की मानसिक विमा शैक्षिक उपलब्धि	100	-0.18	98	0.01व 0.05पर असार्थक

उपरोक्त तालिका - 5 के अवलोकन सेस्पस्ट होता है कि माध्यमिक स्तर के छात्र छात्राओ के आत्मविशास कीमानसिक विमा व शैक्षिक उपलब्धि मे सहसम्बन्ध गुणांक -0.18 है जो किसी भी सार्थकता स्तर पर सार्थक नहींहै यहसहसम्बन्ध गुणांक धनात्मक तथानिम्न स्तर का है अतः शून्य परिकल्पना कोस्वीकार करते हुए यह विवेचना की जा सकती है कि यदि माध्यमिक स्तर के छात्र छात्राओं का आत्मविश्वास कीमानसिक विमाकाउनकी शैक्षिक उपलब्धि के साथ सहसंबंध सार्थक नहीं है

उद्देश्य-6

माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों के आत्मविश्वास की शैक्षिक विमा एवं शैक्षिक उपलब्धियों के मध्य सम्बंध का अध्ययन करना।

THE STANFORD JOURNAL
AN INTERNATIONAL JOURNAL
THE STANFORD JOURNAL ISSN: 3048-8923
(AN INTERNATIONAL JOURNAL OF MULTIDISCIPLINARY RESEARCH) IJIN VALUE/
IMPACT FACTOR : 8.3
Volume–3, Issues– 1 January- March: 2026

Ho6

माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों के आत्मविश्वास की शैक्षिक विमा एवं शैक्षिक उपलब्धियों के मध्य कोई सार्थक सहसम्बन्ध नहीं है

तालिका-6

आत्मविश्वास की शैक्षिक विमा एवं शैक्षिक उपलब्धियों के मध्य कोई सार्थक सहसम्बन्ध

चर	छात्रों की संख्या	सहसंबंध गुणांक	स्वतंत्रता की डिग्री	सार्थकता स्तर
आत्मविश्वास की शैक्षिक विमा शैक्षिक उपलब्धि	100	-0.09	98	0.01व 0.05पर असार्थक

उपरोक्त तालिका – 6के अध्ययन से यह निष्कर्ष निकलता है कि माध्यमिक स्तर के छात्र छात्राओ के आत्मविशास की शैक्षिक विमा व शैक्षिक उपलब्धि मे सहसम्बन्ध गुणांक -0.09है जो किसी भी सार्थकता स्तर पर सार्थक नहींहै यह सहबंध गुणांक धनात्मक तथानिम्न स्तर का है अतः शून्य परिकल्पना कोस्वीकारकरते हुए यह विवेचना की जा सकती है कि यदि माध्यमिक स्तर के छात्र छात्राओं का आत्मविश्वासकीशैक्षिक विमाका उनकी शैक्षिक उपलब्धिके साथ सहसंबंध सार्थक नहीं है

निष्कर्ष

माध्यमिक स्तर के छात्रों के आत्मविश्वास और शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सहसंबंध गुणांक +0.46 है, जो 0.01 स्तर पर सार्थक है। यह धनात्मक एवं मध्यम स्तर का संबंध दर्शाता है। अतः शून्य परिकल्पना निरस्त की जाती है कि आत्मविश्वास बढ़ने से शैक्षिक उपलब्धि में वृद्धि होती है।

प्रस्तुत अध्ययन से निष्कर्ष निकलता है कि आत्मविश्वास की भौतिक विमा और शैक्षिक उपलब्धि के बीच मध्यम स्तर का सकारात्मक सहसंबंध पाया गया। सहसंबंध गुणांक

+0.42 है, जो 0.01 स्तर पर सार्थक है। अतः आत्मविश्वास बढ़ने से शैक्षिक उपलब्धि में वृद्धि होती है।

के विश्लेषण से यह निष्कर्ष निकलता है कि आत्मविश्वास की सामाजिक विमा और शैक्षिक उपलब्धि के बीच सकारात्मक एवं मध्यम स्तर का सहसंबंध पाया गया। सहसंबंध गुणांक +0.40 है, जो 0.01 स्तर पर सार्थक है। इससे स्पष्ट है कि सामाजिक आत्मविश्वास में वृद्धि होने पर विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि भी बढ़ती है।

के विश्लेषण से यह निष्कर्ष प्राप्त होता है कि आत्मविश्वास की भावनात्मक विमा और शैक्षिक उपलब्धि के बीच सकारात्मक किंतु निम्न स्तर का सहसंबंध पाया गया। सहसंबंध गुणांक +0.26 है, जो 0.01 स्तर पर सार्थक है। इससे स्पष्ट होता है कि भावनात्मक आत्मविश्वास का शैक्षिक उपलब्धि पर सीमित प्रभाव पड़ता है।

विश्लेषण से यह निष्कर्ष निकलता है कि आत्मविश्वास की मानसिक विमा और शैक्षिक उपलब्धि के बीच नकारात्मक तथा निम्न स्तर का सहसंबंध पाया गया। सहसंबंध गुणांक –0.18 है, जो 0.01 स्तर पर सार्थक नहीं है। अतः यह कहा जा सकता है कि मानसिक आत्मविश्वास का शैक्षिक उपलब्धि पर कोई स्पष्ट या प्रभावी संबंध नहीं है।निष्कर्ष:

के अनुसार, माध्यमिक स्तर के छात्रों के आत्मविश्वास की शैक्षिक विमा और शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सहसंबंध गुणांक -0.09 है, जो 0.01 स्तर पर सार्थक नहीं है। यह अत्यंत निम्न एवं ऋणात्मक सहसंबंध दर्शाता है। अतः शून्य परिकल्पना स्वीकार की जाती है कि दोनों के मध्य कोई सार्थक संबंध नहीं है।

प्रस्तुत अध्ययन की शैक्षिक उपयोगिता:-

यह अध्ययन माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में आत्मविश्वास तथा शैक्षिक उपलब्धि के पारस्परिक संबंध का विश्लेषण करता है, जिसमें शैक्षिक उपयोगिता यानी विद्यार्थियों द्वारा शिक्षा को उपयोगी मानना एक प्रमुख कारक है। शोध का केंद्रीय विचार यह जांचना है कि क्या शैक्षिक सामग्री की उपयोगिता और प्रासंगिकता में विश्वास, विद्यार्थी के आत्मविश्वास को बढ़ाता है और परिणामस्वरूप उसकी शैक्षिक उपलब्धि जैसे ग्रेड, अंक में सुधार लाता है। यह माना जाता है कि जब एक विद्यार्थी यह समझता है कि उसका अध्ययन उसके वर्तमान या भविष्य के लिए मूल्यवान है, तो उसकी अधिगम में रुचि,

आंतरिक प्रेरणा और स्व-कुशलता बढ़ती है। यह बढ़ा हुआ आत्मविश्वास उसे अधिक परिश्रम, लगन और धैर्य के साथ शैक्षिक चुनौतियों का सामना करने के लिए प्रेरित करता है, जो अंततः बेहतर शैक्षणिक प्रदर्शन में परिवर्तित होता है। इस प्रकार, यह अध्ययन इस त्रिकोणीय संबंध को रेखांकित करता है और शिक्षकों व पाठ्यक्रम निर्माताओं के लिए इस निष्कर्ष का सुझाव देता है कि शिक्षण को जीवनोपयोगी बनाकर विद्यार्थियों में आत्मविश्वास एवं उपलब्धि दोनों को प्रभावी ढंग से बढ़ाया जा सकता है।

भावी अध्ययन के लिए सुझाव:-

अनुसंधान करते समय, समय और संसाधन की सीमाएँ सभी पहलुओं की एक साथ खोज करने से रोकती हैं। गहरी समझ हासिल करने के लिए कुछ महत्वपूर्ण क्षेत्र भविष्य की जांच के लिए बने हुए हैं। इसे ध्यान में रखते हुएआत्मविश्वास लक्षणों और शैक्षणिक उपलब्धि पर आगे के शोध के लिए निम्नलिखित सुझाव दिए गए हैं:

1. इसी तरह का अध्ययन भारत भर के कई विश्वविद्यालयों और जिलों के बड़े नमूनों पर किया जा सकता है।
2. विविध आवासीय पृष्ठभूमि (शहरी माध्यमिक शिक्षा के छात्र) के छात्रों का उपयोग करके अनुसंधान किया जा सकता है।
3. एक तुलनात्मक अध्ययन माध्यमिक शिक्षा में व्यक्तित्व लक्षणों और शैक्षणिक उपलब्धि में लिंग अंतर का पता लगा सकता है।
4. अनुसंधान माध्यमिक शिक्षा में विभिन्न धाराओं (विज्ञान, कला, वाणिज्य) में माध्यमिक लक्षणों और शैक्षणिक उपलब्धि की जांच कर सकता है।
5. एक अनुदैर्ध्य अध्ययन यह ट्रैक कर सकता है कि माध्यमिक लक्षण माध्यमिक शिक्षा के कई वर्षों में शैक्षणिक उपलब्धि को कैसे प्रभावित करते हैं।
6. अध्ययन ऑनलाइन बनाम पारंपरिक माध्यमिक शिक्षा सीखने के माहौल में आत्मविश्वास लक्षणों की भूमिका की जांच कर सकता है।
7. अनुसंधान माध्यमिक शिक्षा में आत्मविश्वास लक्षणों, शिक्षण विधियों और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच बातचीत का पता लगा सकता है।

8. तुलनात्मक विश्लेषण विभिन्न शैक्षणिक बोर्डों, कॉलेज प्रकारों (सरकारी बनाम निजी) और भारत के भौगोलिक क्षेत्रों में किया जा सकता है।

सन्दर्भ:

1.शर्मा, आर. एन. (2019).शैक्षिकमनोविज्ञानआगरा: आर. लाल बुक डिपो।

2. मित्तल, एस. एवं गुप्ता, के. (2021) माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के आत्मविश्वास एवं शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन।भारतीय शैक्षिक अनुसंधान पत्रिका, 6(2), 45–52।

3. पाण्डेय, के. पी. (2020).शिक्षा में मापन एवं मूल्यांकन. वाराणसी: विश्वविद्यालया प्रकाशन।

4. सिंह, अ. एवं वर्मा, स. (2022).आत्मविश्वास और शैक्षणिक सफलता के मध्य संबंध का सहसंबंधात्मक अध्ययन। शैक्षिक अनुसंधान जर्नल, 8(1), 33–40।

5.कुमार, राजेश (2023).माध्यमिक विद्यालय के छात्रों में व्यक्तित्व गुणों और शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन। भारतीय शिक्षा समीक्षा, 10(3), 61–68।

6.यादव, एस. पी. (2018).– शोध प्रविधि एवं सांख्यिकी. नई दिल्ली: के. के. पब्लिकेशन्स।

7.शुक्ला, मनीषा (2024).विद्यार्थियों के आत्मविश्वास का शैक्षिक प्रदर्शन पर प्रभाव: एक विश्लेषणात्मक अध्ययन।समकालीन शैक्षिक अध्ययन पत्रिका, 12(1), 20–27